

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २११]

नई दिल्ली बृहस्पतिवार जून ४ १९७० ज्येष्ठ १४, १८९२

No. 211]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 4, 1970/JYAISTHA 14, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Agriculture)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 4th June 1970

S.O. 2067.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Seeds Act, 1966 (54 of 1966) the Central Government after consultation with the Central Seed Committee, being of opinion that it is necessary and expedient to regulate the quality of seeds of the variety specified in column (1) of the Table below, to be sold for the purpose of agriculture, hereby declares the variety specified in the said column to be notified variety for the purpose of the said Act in respect of the areas specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, namely:

TABLE

Variety	Area for which notified
Wheat	Western plains and Tarai Belt of
U.P. 301	U.P.

This notification shall come into force with immediate effect.

[No. 7(63)/69-SD.]

साद्य कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून 1970

एत० अ० 2067.—बीज अधिनियम 1966 (1966 का 54) के खण्ड 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय बीज समिति के परामर्श के बाद, इस धारणा पर पहुँची है कि निम्न तालिका के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट कृषि के लिये बेचे जाने वाले बीजों की किस्मों की श्रेणी को विनियमित करना आवश्यक और समीचीन है, उपरोक्त तालिका के स्तम्भ (2) की तदनु-सारी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों के संबंध में उपरोक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये, उपर्युक्त स्तम्भ में विनिर्दिष्ट किस्म को एतद्द्वारा अधिसूचित किस्म घोषित करती है :—

तालिका

किस्म	जिस क्षेत्र के लिये अधिसूचित किया गया
गेहूँ यू० पी० 301	पश्चिमी मैदान तथा उत्तर प्रदेश का तराई क्षेत्र ।

यह अधिसूचना तत्काल ही प्रवृत्त हो जायेगी ।

[संख्या 7 (63)/69-बीज विकास]

S.O. 2068.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of Section 6 of the seeds Act, 1966 (54 of 1966), the Central Government, after consultation with the Central Seed Committee hereby specified the limits of germination and purity mentioned in columns (2) and (3) respectively of the Table, as the minimum limits of germination and purity with respect to the seed of the notified variety mentioned in the corresponding entry in column (I) of the said Table, namely:

TABLE

Variety	Minimum limits of germination in percentage	Minimum limit of purity in percentage
Wheat U.P. 301	80	97.0

This notification shall come into force with immediate effect.

[No. 7(63)/69-SD.]

S. M. H. BURNEY, Jt. Secy.

एत० अ० 2068.—बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) के खंड 6 की धारा (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय बीज समिति के परामर्श के बाद, क्रमशः तालिका के स्तम्भ (2) और (3) में लिखित अंकुरण और शुद्धता की सीमा को, उक्त तालिका

के स्तम्भ (1) की तदनुषंगी प्रविष्टियों में उल्लिखित अधिसूचित किस्मों के बीजों की अंकुरण और शुद्धता की न्यूनतम सीमा के रूप में, एतद्वारा विनिश्चित करती है, अर्थात् :-

तालिका

किस्म	अंकुरण की न्यूनतम सीमा प्रतिशत में	शुद्धता की न्यूनतम सीमा प्रतिशत में
गेहूं यू० पी० 301	80	97.0

यह अधिसूचना तत्काल ही प्रवृत्त हो जायेगी ।

[सं० 7(63)/69-बीज विनिस.]

स० मु० हु० बर्नी, संयुक्त सचिव ।

